कथा की ३००एम थिंकबुक

बारिश होती है तो पानी
को भी लग जाते हैं पाँव

दर-ओ-दीवार से टकरा के
गुज़रता है गली से और
उछलता है छपाकों में

किसी मैच में जीते हुए
लड़कों की तरह

जीत कर आते हैं जब मैच
गली के लड़के

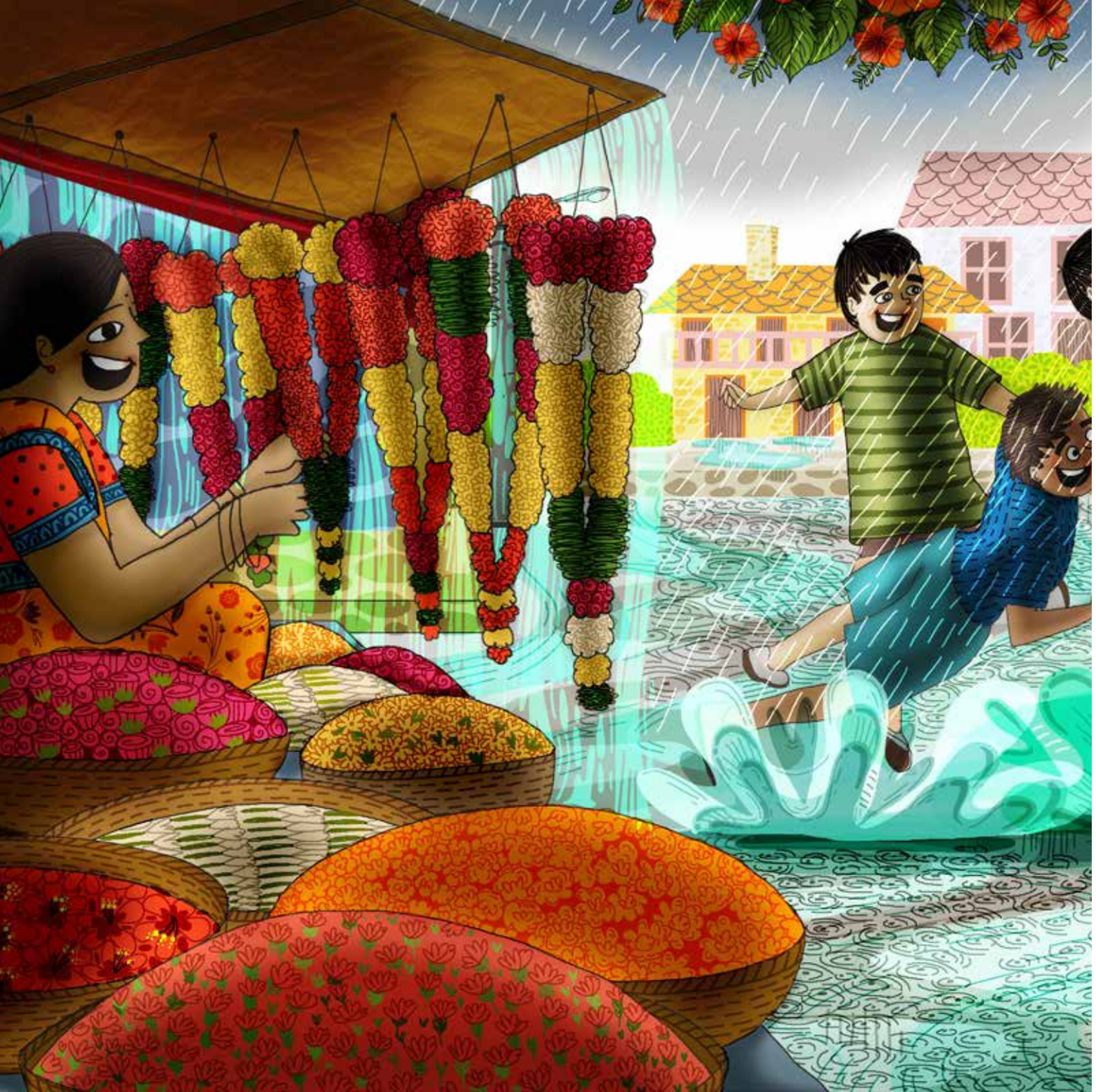

जूते पहने हुए कैनवस के
उछलते गेंदों की तरह

दर-ओ-दीवार
से टकरा के गुज़रते हैं
वो पानी के
छपाकों की तरह

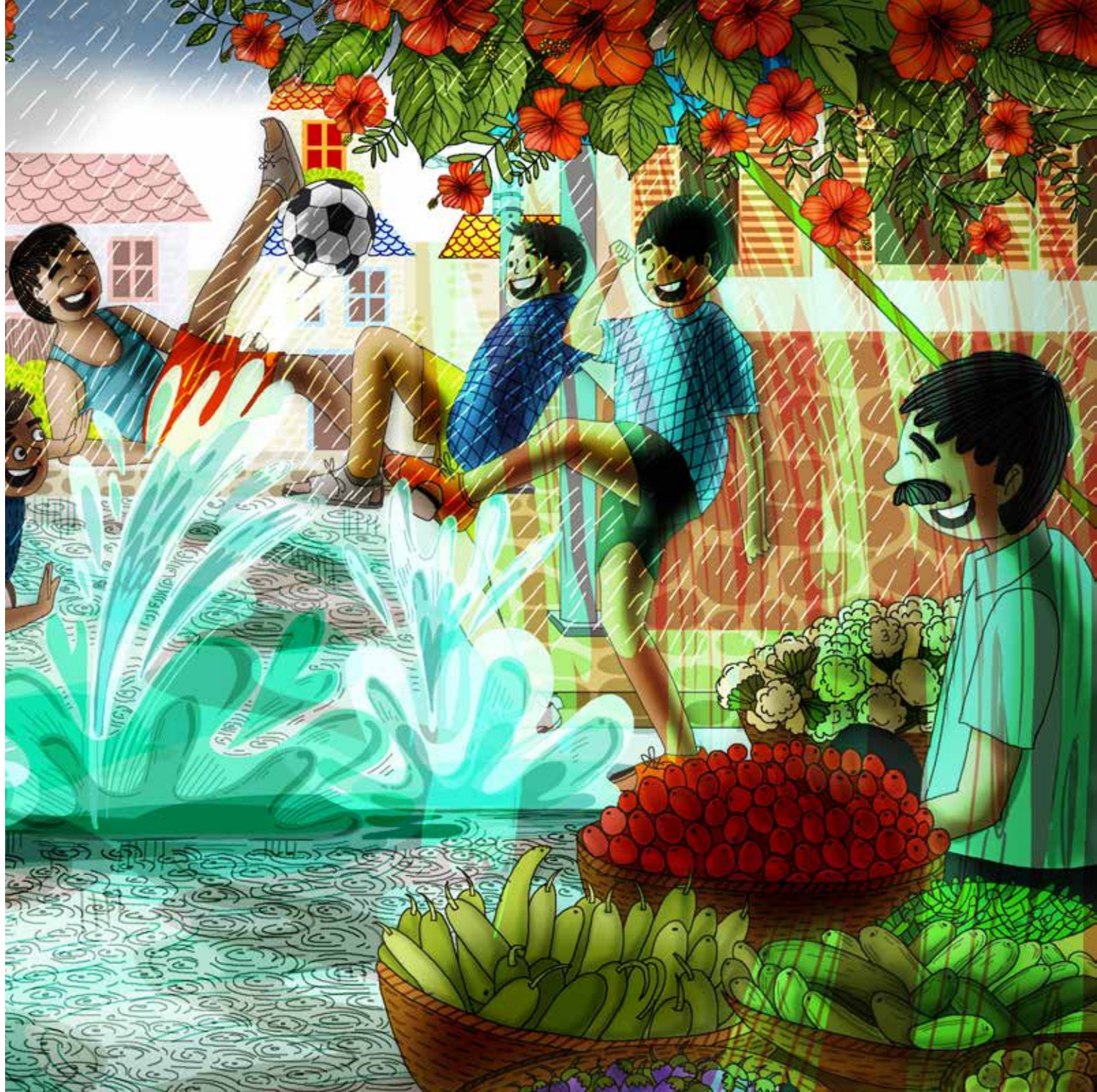

मुझे पसंद है

बारिश

गर्मियों की चिप-चिप से
बेहतर है बारिश में फुटबॉल खेलना

पसीना धुल जाता है
फुटबॉल खेलने में मज़ा आता है!!

कीचड़ में गेंद को लात मारने में
बारिश में ही मज़ा आता है!!

हर तरफ़ दिखती है हरियाली बारिश में
फुटबॉल खेलने से मन मस्त हो जाता है !!

बदन पर लगी धूल, धुल जाती है, घर पहुँचने से पहले,
बारिश में फुटबॉल से मन नहीं घबराता है!!

और खेलों का खिलाड़ी, बचता है,
छत के नीचे भाग जाता है!!

पर फुटबॉल खेलने वाला,
खेल का असली लुत्फ़ उठाता है!!

आओ, मेरे साथ, बारिश में
फुटबॉल खेलने का मज़ा आता है!!

निर्ज़रा वेरुलकर चित्रकार, व्यावसायिक कलाकार और ऐनिमेशन चित्रकार हैं। उनका डिज़ाइन स्टूडियो 'ड्रॉइंग शाइम' हर व्यक्ति के जीवन में खुशियाँ लाने के प्रयास में रत है। उनका पसंदीदा चित्रांकन खाद्य–पदार्थ, मराठी कविताओं और योग के विषय में होता है।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" **– नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" **– पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" **– टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– चार्ल्स लैंड्री, ***द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग***

हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021
मौलिक लेखन कृति स्वामित्व © गुलज़ार
चित्राँकन कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंमकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

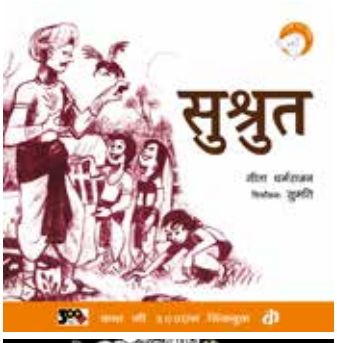

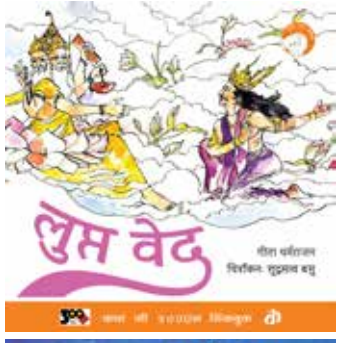

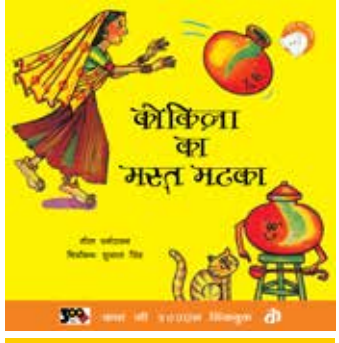

इसकी ऑर्डर श्रृंखला में

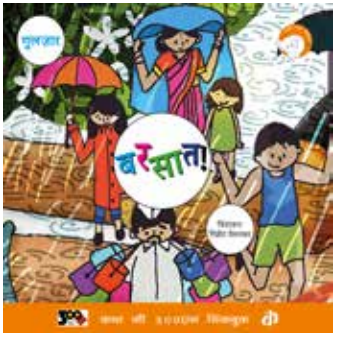

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children
a katha book
ISBN 978-93-88284-81-3
9 789388 284813
www.katha.org
₹ xxx